श्री राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय ,जैंती अल्मोड़ा

उत्तराखण्ड शासन

Email: Gdcjainti@gmail.com
Website: www.gdcjainti.in
Contact: 05942-275322

एम0 ए0 (संस्कृत)

एम0 ए0 संस्कृत में कुल चार सेमेस्टर (सत्रार्ध) होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित होंगे। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

लिखित प्रश्न पत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 45 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं। आन्तरिक परीक्षा में प्रेजेन्टेशन (प्रस्तुतीकरण), तथा एसाइन्मेंट अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्यविषयों की भॉति समरूपता नीति (**Uniform Policy**) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रमविश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीतालसंस्कृत विभाग, एस. एस. जे. परिसर अल्मोड़ा
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम **2019**
1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास
1/2 व्याकरण एवं पालि
1/3 सांख्य एवं न्याय
1/4 नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर
2/1 निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा
2/2 प्राकृत एवं भाषाविज्ञान
2/3 वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास
2/4 काव्य एवं भारतीय संस्कृति

एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर
3/1 व्याकरणअथवा (वैकल्पिक)
3/1 लघु शोध प्रबन्ध
लघुशोध हेतु द्वितीय सत्रार्द्ध में 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।
3/2 गद्यकाव्य
3/3 नाट्यशास्त्र
3/4 काव्यशास्त्र

एम.ए. चतुर्थ सत्रार्द्ध
4/1 व्याकरण एवं निबन्ध
4/2 संस्कृत प्रकरण एवं चम्पू अथवा
4/2 आधुनिक संस्कृत नाटक एवं उपन्यास (वैकल्पिक)
4/3 काव्यशास्त्र
4/4 मौखिक परीक्षा। (अनिवार्य)

निर्देश– पाठ्यक्रम से कुल 75 अंकों की मुख्य लिखित परीक्षा है। 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा। मौखिकी परीक्षा 100 अंकों की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (**Uniform Policy**) के अनुसार मान्य होगा।

एम0 ए0 संस्कृत प्रथम प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर) **पूर्णांक–100 (75+25)**

(वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	ऋग्वेद से निम्नलिखित सूक्त – इन्द्र– 1/32, सूर्य– 1/115, अग्नि–1/143, उषस्–3/61, नासदीय–10/129, हिरण्यगर्भ–10/121, पुरुष सूक्त– 10/90	**55**
(ब)	अथर्ववेद से निम्नलिखित सूक्त – राष्ट्रविवर्धनम् एवं साम्मनस्य सूक्त– 01 से 10 मन्त्र पर्यन्त।	**10**
(स)	वैदिक साहित्य का इतिहास, निम्नलिखित अंश– वेद, वेदांग, उपनिषद, आरण्यक एवं ब्राह्मण ग्रन्थ।	**25**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25 (आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1.ऋग्वेद के विभिन्न सूक्तों का अध्ययन करना
2.अथर्ववेद के सूक्तों का अध्ययन करना।
3.वेद साहित्य के इतिहास का परिचय।

सहायक पुस्तकें : 1. द न्यू वैदिक सलेक्शन–सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2 ऋक्सूक्त संग्रह–डॉ. हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार–प्रकाशन–साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ–250002
3. Hymns of the Rigvdea – Peterso 4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन–चौखम्बा संस्कृत, वाराणासी 6. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला

अंक विभाजन – खण्ड अ

किन्ही छह में से तीन मंत्रों की व्याख्या	3x8= 24 अंक
किसी भी एक संहिता का पद पाठ	06 अंक
खण्ड ब	
किन्हीं दो वैदिक देवता अथवा सूक्त की विशेषताएँ	2 x10=20 अंक
वैदिक साहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	2 x5=10 अंक
वैदिक साहित्य से सम्बन्धित एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

एम0 ए0 संस्कृत द्वितीय प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर) पूर्णांक–100 (75+25)
(व्याकरण एवं पालि)

इकाई	शीर्षक	वादन
(अ)	व्याकरण (सिद्धान्त कौमुदी) कारक प्रकरण।	**30**
(ब)	पालि (धम्मपद, दशवग्गपर्यन्त) ।	**30**
(स)	पालि साहित्य का परिचय।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25 (आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य–1.सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार कारक प्रकरण का अध्ययन
2ण धम्मपद का परिचय
3. पालि साहित्य का परिचय एवं अध्ययन करना।

सहायक पुस्तकें :
1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
2. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री बालकृष्ण पंचोली
3. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
4. धम्मपद–सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
5. पालि साहित्य का इतिहास–डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।

अंक विभाजन खण्ड अ

किन्हीं छह में से तीन सूत्रों की व्याख्या	3X5=15 अंक
सूत्र निर्देश पूर्वक तीन प्रयोगों की सिद्धि	3X5=15 अंक
खण्ड ब	
धम्मपद से चार में से दो व्याख्याएँ	20 अंक
पालि से एक गाथा की संस्कृत छाया	05 अंक
पालि साहित्य परिचय से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	20 अंक

एम0 ए0 संस्कृत तृतीय प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर) पूर्णांक–100 (75+25)

(सांख्य एवं न्याय)

इकाई	शीर्षक	वादन
(अ)	सांख्य कारिका – ईश्वर कृष्ण– सम्पूर्ण।	40
ब)	तर्कभाषा – केशवमिश्र–प्रामाण्यवादपर्यन्त ।	40
(स)	सांख्य एवं न्याय दर्शन परिचय।	10

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. सांख्यकारिका का अध्ययन करना।
2. तर्कभाषा का परिचय करना।
3. सांख्य एवं न्यायदर्शन का परिचय करना।

सहायक पुस्तकें :
1. सांख्यकारिका, ढुण्ढिराज शास्त्री
2. सांख्यकारिका, डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. सांख्यकारिका, जगन्नाथ शास्त्र
4. सांख्यकारिका, डॉ0 रामकृष्ण आचार्य
5. तर्कभाषा, आचार्य विश्वेश्र
6. तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री
7. तर्कभाषा, आचार्य बदरीनाथ शुक्ल
8. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र
9. Indian Pholosophy – Das Gupta

अंक विभाजन :– खण्ड अ

सांख्यकारिका से छः में से तीन कारिकाओं की व्याख्या	3X5=15 अंक
तर्कभाषा से छः में से तीन व्याख्याएँ	3X5=15 अंक
खण्ड ब	
सांख्यकारिका से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
तर्कभाषा से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
सांख्य एवं न्याय से छः में से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3X5=15 अंक

एम0ए0 संस्कृत चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)
1/4 नाटक एवं संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास पूर्णांकः100 (75+25)

इकाई	शीर्षक	वादन
(अ)	उत्तररामचरितम् – भवभूति	35
(ब)	मुद्राराक्षस– विशाखदत्त	35
(स)	संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास – भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।	20

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।
उद्देश्य–1. उत्तररामचरितम् का परिचय एवं अध्ययन।
2.मुद्राराक्षस नाटक का परिचय
3. संस्कृत नाट्य साहित्य के इतिहास का परिचय एवं महाकवियों का परिचय कराना

सहायक पुस्तकें :

1. उत्तररामचरितम् , कपिलदेव द्विवेदी 2. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा, डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
3. मुद्राराक्षस 4. भवभूति ग्रन्थावली, राम प्रताप त्रिपाठी
5. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला, अयोध्याप्रसाद सिंह 6. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी 8. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय
9. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, पाण्डेय एवं व्यास 10. संस्कृत काव्यकार, हरिदत्त शास्त्री

अंक विभाजन :– खण्ड अ

उत्तररामचरितम् से चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2x7.5 = 15 अंक
मुद्राराक्षस से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 =15 अंक
खण्ड ब	
उत्तररामचरितम्/मुद्राराक्षस से, चार में से दो सूक्तियों की	2x7.5 =15 अंक
व्याख्या अथवा पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा	
उत्तररामचरितम्/मुद्राराक्षस से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15अंक
संस्कृत नाट्यसाहित्य से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

एम0ए0 संस्कृत प्रथम प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर) पूर्णांकः100 (75+25)

(निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय) सम्पूर्ण।	**30**
(ब)	निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय) प्रथम से चतुर्थ पाद पर्यन्त।	**35**
(स)	पाणिनीय शिक्षा।	**25**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1.निरूक्त का अध्ययन करके संस्कृत शब्दों की व्याख्या करना।
2.पाणिनीय शिक्षा के अनुसार वर्णो का उच्चारण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी निरुक्त, कपिलदेव शास्त्री
2. हिन्दी निरुक्त, छज्जूराम शास्त्री
3. पाणिनीय शिक्षा, रुद्रप्रसाद अवस्थी
4. पाणिनीय शिक्षा, प्रो0 श्रीनारायण मिश्र

अंक विभाजन :– खण्ड अ

निरुक्त से छह में से तीन सूत्रों की व्याख्याएँ	15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से छह में से तीन व्याख्याएँ	15 अंक
खण्ड ब	
निरुक्त से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
किन्हीं दस में से पॉच पदों का पद निर्वचन	3x5–15 अंक

एम0ए0 संस्कृत **द्वितीय प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**

(प्राकृत एवं भाषा विज्ञान)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	कर्पूरमंजरी–राजशेखर प्रणीत	**30**
(ब)	प्राकृत साहित्य परिचय।	**30**
(स)	भाषा विज्ञान के निम्नलिखित अंश– भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान का स्वरूप, उद्गम एवंविकास, ध्वनि विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान एवं ध्वनि नियम।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. कर्पूरमंजरी का परिचय एवं अध्ययन।
2.प्राकृत साहित्य का अध्ययन।
3.भाषाविज्ञान के परिचय के साथ ही उसके स्वरूप, विकास, ध्वनि,वाक्य विज्ञान आदि का अध्ययन कराना।

सहायक पुस्तकें :

1. कर्पूरमंजरी (राजशेखर), चुन्नीलाल शुक्ल SS 2. कर्पूरमंजरी (राजशेखर), रामकुमार आचार्य
3. अभिनव प्राकृत प्रकाश, नेमिचन्द्र शास्त्री 4. कर्पूरमंजरी एवं श्रृंगारमंजरी का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ0 रामनाथ सिंह
5. संस्कृत भाषा विज्ञान, राजकिशोर सिंह 6. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

7. भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी 8. भाषा विज्ञान, डॉ0 कर्णसिंह

अंक विभाजन :–खण्ड अ

कर्पूरमंजरी से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
कर्पूरमंजरी से एक अनुवाद	10 अंक
खण्ड ब	
प्राकृत साहित्य से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
भाषा विज्ञान से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
भाषा विज्ञान से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5=15

एम0ए0 संस्कृत **तृतीय प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** पूर्णांकः100 (75+25)
(वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	वेदान्तसार– सदानन्द (सम्पूर्ण)।	**30**
(ब)	आस्तिक दर्शन (षडदर्शन)।	**30**
(स)	नास्तिक दर्शन– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. वेदान्तसार का परिचय एवं अध्ययन करना।
2.आस्तिक दर्शनों का परिचय कराना।
3.नास्तिक दर्शनों का परिचय कराना।

सहायक पुस्तकें :

1. वेदान्तसार, रामशरण त्रिपाठी
2. वेदान्तसार, राममूर्ति शर्मा
3. वेदान्तसार, महेशचन्द्र भारतीय
4. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र
6. भारतीय दर्शन, दत्त एवं चटर्जी
7. Indian Philosophy, Das Gupta

अंक विभाजन :– खण्ड अ

वेदान्तसार से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
वेदान्तसार से समीक्षात्मक प्रश्न	1x10 = 10 अंक
खण्ड ब	
आस्तिक दर्शन से एक दीर्घूत्तरीय प्रश्न	20 अंक
नास्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
वेदान्तसार'/ आस्तिक/ नास्तिक दर्शन से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5 =15 अंक

एम0ए0 संस्कृत चतुर्थ प्रश्न पत्र **(द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** पूर्णांकः100 (75+25)

(काव्य एवं भारतीय संस्कृति)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	मेघदूतम्, कालिदास– पूर्वमेघ	**30**
(ब)	नैषधीयचरितम्, श्रीहर्ष– प्रथम सर्ग	**35**
(स)	भारतीय संस्कृति से निम्नलिखित अंश – भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ, वर्णाश्रमव्यवस्था, संस्कार, पंचमहायज्ञ एवं पुरुषार्थ चतुष्टय।	**25**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1.मेघदूतम् महाकाव्य का परिचय एवं अध्ययन करना।
2. नैषधीचरितम् महाकाव्य का परिचय।
3. भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का अध्ययन करना।

सहायक पुस्तकें :

1. मेघदूतम्, डॉ0 शिवराज शास्त्री
2. मेघदूतम्, डॉ0 देवीदत्त शर्मा
3. नैषधीयचरितम्, सुरेन्द्रदेव शास्त्री
4. नैषधकाव्य, डॉ0 शिवराज शास्त्री
5. नैषधपरिशीलन, चण्डिका प्रसाद शुक्ल
6. भारतीय संस्कृति का इतिहास, डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार
7. भारतीय संस्कृति, नरेन्द्रदेव शास्त्री
8. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व, कृष्णकुमार
9. हमारी प्राचीन संस्कृति, डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री

अंक विभाजन :– खण्ड अ

मेघदूतम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
नैषधीयचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
मेघदूतम् /नैषधीयचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित एक दीघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से दो सूक्ति अथवा भारतीय संस्कृति से दो लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत **प्रथम प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**

(व्याकरण)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	व्याकरण– महाभाष्य– पस्पशाह्निक	**30**
(ब)	लघु सिद्धान्त कौमुदी– भू एवं एध् धातु के लट्, लोट्, लृट्, लङ्, लिट् एवं विधिलिङ् लकारों की प्रक्रिया सिद्धि।	**30**
(स)	भू एवं एध् धातु के दश लकारों का रूप परिचय।	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य – 1. महाभाष्य के पस्पशाह्निक का परिचय एवं अध्ययन करना।
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी– भू एवं एध् धातु की पंच लकारों में प्रक्रिया सिद्धि।
3. भू एवं एध् धातु के दश लकारों का रूप परिचय एवं कण्ठस्थ कराना।

सहायक पुस्तकें :

1. महाभाष्य, पं0 चारूदेव शास्त्री
2. महाभाष्य, प्रदीपोद्योतटीका सहित, वेदव्रत
3. महाभाष्य, युधिष्ठिर मीमांसक
4. सिद्धान्तकौमुदी, पं0 गोपालदत्त पाण्डे
5. सिद्धान्तकौमुदी, बालकृष्ण पंचोली
6. सिद्धान्तकौमुदी–तत्त्व बोधिनी, पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी

अंक विभाजन :– खण्ड अ

व्याकरण महाभाष्य से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
खण्ड ब	
किन्हीं दस में से पॉच सूत्रों की व्याख्या	3x05 = 15 अंक
किन्हीं चार (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोगों की रूप सिद्धि	4x5 =20 अंक
भू / एध् धातुओं के दश लकारों से चार में से दो रूप लेखन	10 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी (तृतीय सेमेस्टर) लघुशोध प्रबन्ध पूर्णांक 100

(प्रथम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

(क) इस विकल्प को वही परीक्षार्थी ले सकेगा,जो एम0ए0 संस्कृत का संस्थागत परीक्षार्थी होगा तथा जिसने एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में न्यूनतम 60 (साठ) प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।
(ख) इस विकल्प को लेने वाले परीक्षार्थी को एक लघुशोधप्रबन्ध लिखना होगा। जिसका विषय संस्कृत वाड्मय की किसी न किसी शाखा से सम्बन्धित होगा और वह मौलिक, गवेषणात्मक, अभिनवमूल्याड्.कनात्मक अथवा सर्वेक्षणात्मक होगा।
(ग) परीक्षार्थी अपने शोध निर्देशक के निर्देशन में प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध के प्रतिपाद्य विषय की संक्षिप्त रूपरेखा को विभागाध्यक्ष से स्वीकृत कराने के बाद ही अपने लघुशोधप्रबन्ध को लिखना शुरु करेगा तथा उसकी दो प्रतियाँ टाइप कर लिखित परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम एक माह पूर्व अपने विभागाध्यक्ष के पास जमा करेगा।
(घ) विभागाध्यक्ष परीक्षार्थी से प्राप्त उसके लघुशोधप्रबन्ध की उन दो प्रतियों को विश्वविद्यालय कुलसचिव के पास परीक्षण कराने हेतु भेजेगे
(ड़) परीक्षार्थी को अपने शोध निर्देशक से ऐसा प्रमाणपत्र भी लेना होगा, जो यह सिद्ध करेंगा कि लघुशोध प्रबन्ध का लेखन उसने स्वयं ही किया है और इस कार्य में उसने किसी से अवैध सहायता नहीं ली है। यह प्रमाणपत्र लघुशोधप्रबन्ध में ही संलग्न करना होगा।
(च) इस लघुशोधप्रबन्ध के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक 100 होंगे। परीक्षण कार्य शोधनिर्देश एवं बाह्य परीक्षक

दोनों से कराया जायेगा। दोनों के लिए 50–50 अंक निर्धारित किये जायेगें।

एम0ए0 संस्कृत द्वितीय प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर) पूर्णांकः100 (75+25)
(गद्यकाव्य)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	कादम्बरी, बाणभट्ट– उज्जयिनी वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त,(सूतिकागृह वर्णन छोडकर)	**30**
(ब)	अप्पयदीक्षितचरितम ,हरिनारायणदीक्षित ,सम्पूर्ण।	**30**
(स)	संस्कृत गद्यकाव्य का इतिहास।	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथ्प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।
उद्देश्य– 1. कादम्बरी कथा का अध्ययन करना।
2. अप्पयदीक्षितचरितम् का परिचय एवं अध्ययन करना।
3. संस्कृत गद्यकाव्य के इतिहास का परिचय।

सहायक पुस्तकें :

1. कादम्बरी, श्रीनिवास मिश्र
2. कादम्बरी, कृष्णमोहन शास्त्री
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेवशरण अग्रवाल
4. अप्पयदीक्षितचरितम्, हरिनारायण दीक्षित,
5. संस्कृत गद्यकाव्य का इतिहास।
6. आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास, कलानाथ शास्त्री।

अंक विभाजन :– खण्ड अ

कादम्बरी से चार में से दो व्याख्या	2 x7.5 = 15 अंक
अप्पयदीक्षितचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
कादम्बरी/कवि से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
अप्पयदीक्षितचरितम्/कवि से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
संस्कृत गद्यसाहित्य से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2x7.5 = 15 अंक

एम0ए0 संस्कृत **तृतीय प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**

(नाट्यशास्त्र)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	नाट्यशास्त्र, भरत– प्रथम अध्याय, सम्पूर्ण एवं द्वितीय अध्याय 01–30 श्लोक पर्यन्त।	**30**
(ब)	दशरूपकम्, धनजंय– प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश।	**30**
(स)	दशरूपकम्, धनजंय– तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथप्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1.नाट्यशास्त्र का परिचय एवं प्रथम,द्वितीय अध्याय का अध्ययन करना।
2.दशरूपकम् के चारों प्रकाशों का अध्ययन कराना।

सहायक पुस्तकें :

1. नाट्यशास्त्र, डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा
2. नाट्यशास्त्र, बाबूलाल शुक्ल
3. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी
4. दशरूपकम्, भोलाशंकर व्यास
5. दशरूपकम्, श्रीनिवास शास्त्री
6. दशरूपकम्, रामजी उपाध्याय
7. Sanskrit Drama, A.B. Keith
8. Dasharupakam, Ed. & Tran- by F. Hall

अंक विभाजन :– खण्ड अ

नाट्यशास्त्र से चार में से दो व्याख्या	2x7.5 = 15 अंक
दशरूपकम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
नाट्यशास्त्र से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
दशरूपकम् से एक दीर्घूत्तरीय प्रश्न	15 अंक
नाट्यशास्त्र /दशरूपकम् से चार लघूत्तरीय प्रश्न	4x5=20अंक

एम0ए0 संस्कृत **चतुर्थ प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25**
(काव्यशास्त्र)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, प्रथम से चतुर्थ उल्लास पर्यन्त।	**30**
(ब)	साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद।	**30**
(स)	काव्यशास्त्र का षड् सम्प्रदाय परिचय।	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथ्प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. काव्यप्रकाश के चार उल्लासों का अध्ययन करना।
2.साहित्य दर्पण के दो परिच्छेदों का परिचय
3. काव्यशास्त्र का षड् सम्प्रदायों का अध्ययन कराना

सहायक पुस्तकेंः–

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर
S 2. काव्यप्रकाश–डॉ0 बाबूलाल शुक्ल
3. काव्यप्रकाश–वामन झलकीकर
4. काव्यप्रकाश–श्रीनिवास शास्त्री
5. साहित्य दर्पण–डॉ0 सत्यव्रत सिंह
6. साहित्य दर्पण –शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका
7. साहित्य दर्पण –गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
8. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास–प्रो0 एस0 के0 डे0
9. अलंकारशास्त्र का इतिहास–डॉ0 कृष्ण कुमार
10. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास–पी0 वी0 काणे
11. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा–डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरन टण्डन
12. भारतीय साहित्यशास्त्र–पं0 बलदेव उपाध्याय
13. काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ लज्जा भट्ट।

अंक विभाजन :–खण्ड अ

काव्यप्रकाश से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
साहित्य दर्पण से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
काव्यप्रकाश से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
साहित्य दर्पण से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	15 अंक
काव्यशास्त्र के षड सम्प्रदाय से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2X7.5=15 अंक

एम0ए0 संस्कृत **प्रथम प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**
(व्याकरण एवं निबन्ध)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 01–50 कारिका पर्यन्त।	**35**
(ब)	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 51–100 कारिका पर्यन्त।	**35**
(स)	संस्कृत निबन्ध लेखन ।	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथ्प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1.वाक्यपदीयम् के ब्रह्मकाण्ड में वर्णित शब्द ब्रह्म का
परिचय तथा शब्द के दार्शनिक पक्षों का ज्ञान
2. संस्कृत निबन्ध लेखन की क्षमता का विकास करना।

सहायक पुस्तकेंः–

1. वाक्यपदीयम्–(ब्रह्मकाण्ड), पं0 रामगोविन्द शुक्ल
2. वाक्यपदीयम्–(ब्रह्मकाण्ड), डॉ0 शिवशंकर अवस्थी
3. भाषातन्त्र और वाक्यपदीयम, डॉ0 सत्यकाम वर्मा
4. संस्कृत निबन्धशतकम्, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी,
5. संस्कृत निबन्धावली, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
6. संस्कृत निबन्धाञ्जलि, डॉ0 रामकृष्णाचार्य
7. संस्कृत निबन्धादर्श, डॉ0 राममूर्ति शर्मा
8. व्याकरण शास्त्र का इतिहास, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
9. व्याकरण दर्शन, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक

अंक विभाजन :– खण्ड अ

वाक्यपदीयम् से चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या (1–50	2 x7.5=15 अंक
कारिका)	
वाक्यपदीयम् से चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या(51–100 कारिका)	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
वाक्यपदीयम् से एक आलोचनात्मक प्रश्न	15 अंक
वाक्यपदीयम् से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2X5=10 अंक
निबन्ध लेखन (संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक

एम0ए0 संस्कृत **द्वितीय प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**

(संस्कृत प्रकरण एवं चम्पू)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	मृच्छकटिकम्, शूद्रक।	**30**
(ब)	मालतीमाधवम्, कालिदास।	**30**
(स)	नलचम्पू, त्रिविक्रम भट्ट– प्रथम उच्छ्वास।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक **25**(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथ्प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. मृच्छकटिकम् प्रकरण का परिचय एवं अध्ययन करना।
2. मालतीमाधवम् नाटक का परिचय एवं अध्ययन करना।
3. चम्पूकाव्यों का परिचय तथा नलचम्पू का अध्ययन कराना।

सहायक पुस्तकें :–

1. मृच्छकटिकम्, रमाकान्त द्विवेदी
2. मृच्छकटिकम्, निरूपण विद्यालंकार
3. मृच्छकटिकम्, सुधांशु पन्त
4. महाकवि शूद्रक, रमाशंकर तिवारी
5. मालतीमाधवम्
6. नलचम्पू – प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी
7. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन – प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास।

अंक विभाजन :– खण्ड अ

मृच्छकटिकम् एवं मालतीमाधव से छह में से तीन व्याख्याएँ	3X5=15 अंक
नलचम्पू से चार में से दो गद्यों की व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
नलचम्पू से चार में से दो पद्यों की व्याख्याएँ	2X5=10 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार से दो समीक्षात्मक प्रश्न	25 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से दो लघूत्तरीय प्रश्न	10 अंक

एम0ए0 संस्कृत **द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)** **पूर्णांकः100 (75+25)**

(आधुनिक संस्कृत नाटक एवं उपन्यास)

इकाई	**शीर्षक**	**वादन**
(अ)	भारतविजय नाटकम्, पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित।	**30**
(ब)	गोपालबन्धुः, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित।	**30**
(स)	बन्धुजीवम्, शिवप्रसाद भारद्वाज।	**30**

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य– 1. आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं उनके द्वारा रचित ग्रन्थों की विषयवस्तु का बोध
2. भारतविजय नाटकम् आदि का परिचय।

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतविजय नाटकम्, पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित
2. गोपालबन्धुः, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
3. आधुनिक संस्कृत नाटक, रामजी उपाध्याय
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी
5. बन्धुजीवम्, शिवप्रसाद भारद्वाज।

अंक विभाजन :– खण्ड अ

गोपालबन्धुः नाटक से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5=15 अंक
भारतविजयम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5=15 अंक
खण्ड ब	
बन्धुजीवम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5=15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से तीन समीक्षात्मक प्रश्न	3x5=15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5=15अंक

एम0ए0 संस्कृत तृतीय प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर) पूर्णांकः100 (75+25)
(काव्यशास्त्र)

इकाई	शीर्षक	वादन
(अ)	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति, वामन– प्रथम अधिकरण	
(ब)	वक्रोक्ति जीवितम्, कुन्तक – प्रथमोन्मेष– (21 वीं कारिका तक)	
(स)	ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन– प्रथम उद्योत (1– 13 कारिका पर्यन्त)	

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25(आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य–1. संस्कृत काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों का अध्ययन।
2.काव्यलंकार सूत्रवृत्ति का अध्ययन।
3. वक्रोक्ति जीवितम् तथा ध्वन्यालोक का परिचय एवं अध्ययन

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्यालंकार सूत्राणि, हरगोविन्द शस्त्री
2. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति, डॉ0 बेचन झा
3. वक्रोक्ति जीवितम्, राधेश्याम मिश्र
4. वक्रोक्ति जीवितम्, परमेश्वर दीन मिश्र
5. अलंकारशास्त्र में आचार्य कुन्तक की देन, डॉ0 हेना आत्मनाथन
6. ध्वन्यालोक, आचार्य विश्वेश्वर
7. ध्वन्यालोक, जगन्नाथ पाठक
8. भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त, रमण कुमार शर्मा
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नगेन्द्र
10. भारतीय साहित्यशास्त्र, आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्रमीमांसा, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन।
12. History of Sanskrit Poetics- Prof. P.V. Kane
13. History of Sanskrit Poetics – Prof. S.K. De

अंक विभाजन :– खण्ड अ

काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से छह में से तीन सूत्रों की व्याख्या	3X5=15 अंक
वक्रोक्तिजीवितम् से छह में से तीन कारिकाओं की व्याख्या	3X5=15 अंक
खण्ड ब	
ध्वन्यालोक से चार में दो कारिकाओं की व्याख्या	2X7.5=15 अंक
उपर्युक्त समस्त ग्रन्थों से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त समस्त ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3X5=15अंक

एम0ए0 संस्कृत **चतुर्थ प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर))** **पूर्णांकः100**

मौखिकी (अनिवार्य)

नोट :– मौखिकी परीक्षा चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगी।

टिप्पणी– **(अ)** एम. ए. के प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् संस्कृत विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को उनकी अन्तिम लिखित परीक्षा के दिन दे दी जायेगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर की अपनी मूल अंकतालिका परीक्षकों के समक्ष अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।
(ब) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित प्रश्न पत्र हेतु निर्धारित है, जिसका पाठ्यक्रम उपर्युक्त प्रकार से विभाजन पूर्वक दिया गया है।
(स) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं, जिसके मूल्यांकन का आधार छात्र की उपस्थिति, अनुशासन तथा एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) होगा। उक्त के आलोक में 05 अंक छात्र की उपस्थिति एवं अनुशासन तथा 20 अंक एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशन हेतु निर्धारित किये जाते हैं।
नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (**Uniform Policy**) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

.....